दीपावली पर स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी पर जोर



दिलीप सिंह

झाबुआ। जिले में दीपावली के अवसर पर स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी को बढ़ावा दिया जा रहा है। मध्य प्रदेश के आदिवासी बहुल झाबुआ जिले में तैयार होने वाले बांस के दीयों की मांग अब विदेशों तक है। यहां की आदिवासी हस्तशिल्प कलाकृतियां इतनी खास हैं कि इन्हें राष्ट्रपति तक को भेंट किया जा चुका है।

झाबुआ जिला आदिवासी प्रधान जिला है, जहां लगभग 85 प्रतिशत आबादी आदिवासी समुदाय से संबंधित है। जिले में आदिवासी लोककला और हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए आजीविका मिशन के तहत कई हितग्राहियों को हस्तकला का प्रशिक्षण दिया है। हर साल दीपावली से पहले आकांक्षी हाट बाजार का आयोजन किया जाता है, जहां आदिवासी हस्तशिल्प से निर्मित वस्तुओं की बिक्री होती है। जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी सहित स्थानीय नागरिक भी दीपावली पर घरों की सजावट के लिए इन वस्तुओं की खरीदारी करते हैं।

कारीगरों को मिल रहा प्रोत्साहन -इन हस्तशिल्प उत्पादों में आदिवासी गुड्डे-गुड़िया, तोरण द्वार, दीये और सजावट की कई अन्य आकर्षक वस्तुएं शामिल हैं। इन उत्पादों की खरीदारी से आदिवासी कारीगरों को प्रोत्साहन मिलने के साथ ही उनकी आजीविका को भी मजबूती मिलती है। इसी तरह, शिवगंगा संस्था भी जिले के आदिवासी समुदाय को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रही है। पद्मश्री महेश शर्मा के नेतृत्व में संचालित इस संस्था के माध्यम से आदिवासी युवाओं को विभिन्न प्रकार के हस्तशिल्प का प्रशिक्षण दिया जाता है। संस्था से जुड़े राजाराम कटारा ने बताया कि आदिवासी युवाओं को बांस के दीये बनाने का प्रशिक्षण दिया है। इसके तहत शंकर सिंह भूरिया और राकेश भूरिया ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने करीब 40 अन्य लोगों को जोड़कर बांस के दीये बनाने का प्रशिक्षण दिया।

छोटे से जिले में 50 हजार से - वहीं, झाबुआ के कुम्हार भी दीपावली के लिए मिट्टी के दीये, लैंप, झालर और तोरण सहित कई सजावटी वस्तुएं तैयार करते हैं।

ये उत्पाद दिखने में आकर्षक होते हैं और लोग इनका इस्तेमाल घरों को सजाने के साथ-साथ उपहार देने के लिए भी करते है। झाबुआ शहर में मिट्टी का एक दीया दो से पांच रुपये तक में बिकता है। दीपावली से पहले तीन से चार दिनों के दौरान शहर में लगभग 50 हजार से अधिक दीयों की बिक्री हो जाती है।

पूरे वर्ष होता है निर्माण कार्य

इन बांस के दीयों की मांग कनाडा और अमेरिका तक है। चार दीयों का एक सेट 399 रुपये में बेचा जाता है। इसके अलावा, संस्था द्वारा 1,490 रुपये की कीमत वाले झिलमिल लैंप और बांस के एम्पलीफायर भी तैयार किए जाते हैं। झाबुआ के छोटे से गांव सिलीखोदरी के रहने वाले शंकर सिंह भूरिया कला और हुनर के धनी हैं। वह सालभर बांस के दीये बनाने का काम करते हैं। इन उत्पादों की अच्छी मांग के चलते सीधे ग्राहकों और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से लाखों रुपये का कारोबार किया जाता है।





ओंकारेश्वर परियोजना के लिए सौंपा ज्ञापन

मनावर। क्षेत्र में अल्प वर्षा के चलते पेयजल और सिंचाई संकट गहराने लगा है। किसानों की परेशानी को देखते हुए मनावर विधायक डॉ. हीरालाल अलावा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम एक ज्ञापन अनुविभागीय राजस्व अधिकारी दिया।

ज्ञापन में ओंकारेश्वर परियोजना के चतुर्थ चरण को पूर्ण रूप से प्रारंभ करने सहित किसानों से जुड़ी कई महत्वपूर्ण मांगें रखी हैं। विधायक ने छीतरी से मनावर तक नहर की सीमेंट पाइपलाइन हटाकर उसके स्थान पर लोहे की पाइपलाइन डालने की स्वीकृति देने की मांग की है। साथ ही नकली खाद-बीज के कारोबार पर कार्रवाई, खेतों में सिंचाई के लिए बोरिंग की अनुमति और कपास का समर्थन मूल्य 12 हजार रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित करने का आग्रह किया है। विधायक डॉ. अलावा ने पत्र में बताया कि कम बारिश के कारण क्षेत्र के अधिकांश जलस्रोतों में पानी की कमी हो गई है। इससे पेयजल और सिंचाई दोनों के लिए संकट की स्थिति निर्मित हो रही है। वर्तमान में ओंकारेश्वर परियोजना के तीन चरणों से किसानों को जितना पानी मिल रहा है, वह पर्याप्त नहीं है। कई किसानों के खेतों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। ऐसे में परियोजना के चौथे चरण को शुरू करना जरूरी है।

नहर निर्माण में लापरवाही से बार-बार लीकेज, लाखों रुपए खर्च होने के बाद भी समस्या बरकरार-विधायक ने ओंकारेश्वर परियोजना की नहर व्यवस्था में तकनीकी और निर्माण संबंधी खामियों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया है। पत्र के अनुसार ग्रुप-1 में सिसलिया तालाब से कारम नदी तक तथा ग्रुप-2 में कारम नदी से धुलसर (कुक्षी) तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था है।

नकली खाद-बीज पर कार्रवाई और बोरिंग की अनुमति देने की मांग

विधायक ने क्षेत्र में नकली खाद एवं बीज की बिक्री पर चिंता जताते हुए किसानों के साथ हो रही धोखाधड़ी के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं धार जिले में प्रशासन द्वारा बोरिंग पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाकर किसानों को खेतों में सिंचाई के लिए बोरिंग कराने की अनुमति देने का आग्रह किया है। इसके अलावा महंगाई को देखते हुए किसानों के कपास की खरीदी 12 हजार रुपए प्रति क्विंटल की दर से करने की मांग भी की गई। विधायक ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि क्षेत्र की पेयजल एवं सिंचाई संबंधी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए ओंकारेश्वर परियोजना के चौथे चरण को पूर्ण रूप से प्रारंभ किया जाए तथा नहर की पाइपलाइन की समस्या का स्थायी निराकरण किया जाए, ताकि मनावर विधानसभा क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों को राहत मिल सके। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ता और किसान उपस्थित रहे।



धनतेरस पर किया भगवान धन्वंतरि का पूजन



धार। शहर के चिकित्सकों द्वारा विश्व कल्याण एवं आरोग्य की प्रार्थना की गई। अध्यक्ष डॉ शरद विजयवर्गीय ने वर्तमान में हो रहे शारीरिक एवं मानसिक रोगों से लड़ने को एक बड़ी चुनौती बताया और इसकी सावधानियों पर सभी को बतलाया सचिव डॉ अभिषेक वैद्य ,डॉ रमाकांत मुकुट डॉ पी सी जैन,डॉ जिनेन्द्र जैन,डॉ बी आर पाटीदार डॉ दिनेश निगम,डॉ रमेश मुवेल,डॉ अशोक सक्सेना,डॉ अतुल राठौड़,डॉ मानावत,डॉ रत्नेश निगम उपस्थित रहे

थांदला को नर्मदा का पानी देने की मांग, सीएम से मिले भाभर

झाबुआ। जिले की थांदला तहसील के ग्राम खवासा के ग्रामीणों ने नर्मदा उदवहन सिंचाई योजना से खवास और आसपास के गांवों को भी नर्मदा माईक्रो उदवहन सिंचाई से जोड़े जाने की मां करते हुए पिछले दिनों कलेक्टर से मांग रखी थी और 16 नवंबर से अनिश्चितकालीन आंदोलन की चेतावनी दी थी। इसके बाद क्षेत्र से भाजपा नेता और पूर्व विधायकों ने लोगों से मिलकर उन्हें आश्वसत किया था कि वे लोगों की मांग मुख्यमंत्री तक पहुंचाकर समस्या के निदान की पहल करेंगे।





आप सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

धार। आदिवासी बाहुल्य जिले धार में स्वास्थ्य व सेवाओं को बेहतर करने के लिए प्रशासन के साथ अब निजी संस्थाएं भी आगे बढ चुकी है। इन संस्थाओं में संचालित किए जा रहे पाठयक्रमों के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षकों की नई टीम तैयार हो रही है। धार कॉलेज द्वारा चिकित्सा पाठ्यक्रमों के द्वारा स्वास्थ्य रक्षकों की एक नई टीम तैयार कर रहे हैं। बी. एस.सी. नर्सिंग, जी.एन.एम., डी.एल.ई.डी .सहित शिक्षा के क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बी.एड. जैसे पाठ्यक्रमों को भी संचालित कर रहे हैं। मांडू रोड स्थित श्री श्याम हॉस्पिटल व धार कॉलेज के संचालक ने बताया कि वर्तमान में इस कॉलेज से शिक्षण प्राप्त कर चुके सैकड़ों विद्यार्थी अब अनेकों जिला भोज चिकित्सालय धार सहित एम.व्हाय. हॉस्पिटल इंदौर एवं अन्य शासकीय एवं निजी स्वास्थ्य संस्थानों में सेवाएं दे रहे हैं। 100 प्रतिशत प्लेसमेंट आदिवासी बाहुल्य धार जिले में इस तरह के पाठ्यक्रम की सुविधा ने आदिवासी वर्ग के विद्यार्थियों सहित सर्व समुदाय के विद्यार्थियों के लिए सरल, सुरक्षित शिक्षा के नए द्वार खोले हैं। रोजगारोन्मुखी और सेवाभावी इन पाठ्यक्रमों में शिक्षित होने के बाद युवाओं के रोजगार के अवसर भी खुले है। रोजगार धार जिले का एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। चिकित्सीय क्षेत्र भी प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की कमी महसूस की जाती है। ऐसी स्थिति में इस तरह के संस्थान के माध्यम से ना सिर्फ रोजगार की समस्याएं हल हो रही है बल्कि चिकित्सीय क्षेत्रों को भविष्य में पूर्ण रूप से प्रशिक्षित, शिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों को एक नई युवा टीम मिलने वाली है।

प्लेसमेंट इस संस्था की महत्वपूर्ण उपलब्धि :-

संचालक चौहान के अनुसार डिग्री के बाद सीधे रोजगार मिलना युवा विद्यार्थियों के लिए सुकूनभरी राहत है। सबसे मुख्य बात यह है कि कॉलेज में पढ़ाई के साथ कॉलेज के विद्यार्थियों को फील्ड में यानि अस्पताल में पढ़ाई के दौरान प्रशिक्षण लेने का अवसर मिलता है। सामाजिक सेवा भाव जागृत रहे इसके लिए कॉलेज के माध्यम से समय-समय पर सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ आम लोगों के बीच काम भी किया जाता है।

अस्पताल में उपलब्ध सुविधाएं :-

श्री चौहान के अनुसार श्री श्याम हॉस्पिटल में ऑर्थोपेडिक (हड्डियों का रोग), स्त्रीरोग एवं प्रसूति, सामान्य सर्जरी, लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, मूत्र रोग और सामान्य चिकित्सा जैसी सुविधाएं है। वहीं आयुष्मान भारत योजना से इस अस्पताल में आयुष्मान भारत पी.एम.-जे.ए.वाई. के तहत पात्र लाभार्थियों का निःशुल्क एवं कैशलेस इलाज उपलब्ध है। 24X7 आपातकालीन देखभाल, एम्बुलेंस सुविधा और इन-हाउस डायग्नोस्टिक सेवाएं (ब्लड टेस्ट, एक्स-रे आदि) उपलब्ध हैं।

– आशीष चौहान संचालक श्याम हॉस्पिटल, धार कॉलेज, धार